ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–२२ सितम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

विगत सप्ताह का मौसम (१६-२२ सितम्बर २०१७)

अजिरमा, अंबिकापुर स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत सात दिनो के दौरान आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रहे एवं हल्की से मध्यम वर्षा हुई तथा सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि ०.९ से ६.९ घंटे के बीच दर्ज की गई । इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः **२९.७** डि.से. तथा **२२.९** डि.से. दर्ज किया गया है । इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः १.५ कि.मी. प्रति घंटा व ३.१ मि.मी. प्रति दिन थी । प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान (५, १० व २० से.मी. पर) क्रमशः **९७%** व २५.२, २५.६ व २५.८ डि॰से॰ दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में क्रमशः **७६%** व ३७.५, ३४.० व ३२.० डि॰से॰ दर्ज की गई । **इस दौरान १००.४ मिमी. वर्षा रिकार्ड की गई** ।

दिनांक	अधिकतम तापमान (°C)	न्युनतम तापमान (°C)	वर्षा (मि०मी०)	सापेक्ष आर्दता (%)		हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	सूर्य प्रकाश अवधि (hr)	वाष्पन (मि०मी०)
				सुबह	दोपहर			
१६ सितम्बर२०१७	32.5	23.4	6.0	95	64	1.1	4.8	3.4
१७ सितम्बर२०१७	32.5	23.8	11.0	92	64	1.6	7.7	3.7
१८ सितम्बर२०१७	32.8	23.0	7.4	98	82	2.1	6.9	3.4
१९ सितम्बर२०१७	27.7	22.0	27.8	100	72	1.4	4.5	2.8
२० सितम्बर२०१७	29.2	23.4	0.0	97	97	1.5	3.1	2.8
२१ सितम्बर२०१७	26.2	21.8	39.0	100	88	1.2	0.9	2.6
२२ सितम्बर२०१७	27.0	22.6	9.2	95	66	1.5	0.5	3.0
औसत	**29.7**	**22.9**		**97**	**76**	**1.5**	**4.1**	**3.1**
कुल			**100.4**					**21.7**

Normalized Difference Vegetation Index (NDVI) Map for Chhattisgarh state for week ending 21.09.2017

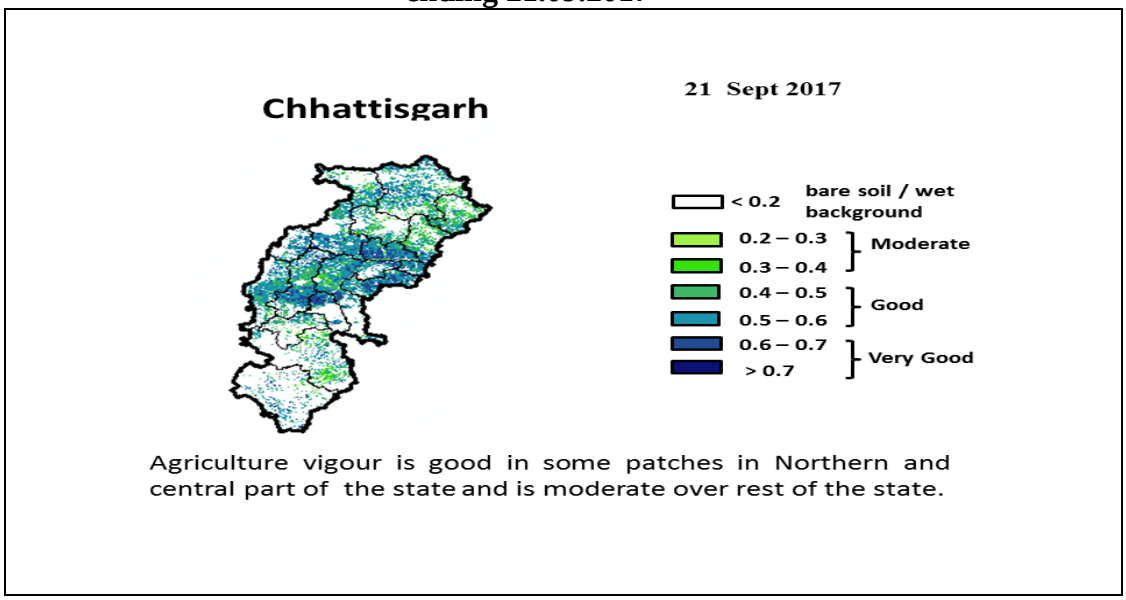

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– सरगुजा **के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी

२३ से २७ सितम्बर २०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की वर्षा होने की सम्भावना हैं, हालाँकि कुछ स्थानों पर मौसम शुष्क रह सकता हैं ।**
2. सरगुजा जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८° C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२३ से २४°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९०-९५** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व एवं दक्षिण दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- विगत दिनों हुई हल्की से मध्यम वर्षा को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि धान खेत के मेड़ों को बांधकर रखें तथा आवश्यकता से अधिक पानी को बाहर निकाले ।
- सितम्बर माह में फसलों पर कीट व्याधियों के प्रकोप की संभावना अधिक होती हैं । अत: किसान भाइयों को सुझाव है की फसलों का सतत् निरीक्षण करते रहे ।
- ऊपरी जमीन मे अधिकांश धान की फसल इस समय पुष्पावस्था मे है। इस अवस्था मे इनमे गंधी बग किट के आक्रमण की संभावना रहती है। इस किट से बचाव के लिये फसलों मे क्लोरपाइरिफास धूल का भुरकाव १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से साफ मौसम देखते हुये करे ।
- जीवाणु जनित झुलसा (बहरीपान) रोग के लक्षण दिखने पर यदि पानी उपलब्ध हो, तो खेत का पानी निकाल कर ३-४ दिन तक खुला रखे तथा २० -२५ किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करे ।
- खेत में झुलसा रोग या शीत ब्लाइट देखने पर ट्राइसाइक्लोजोल ५०० मी.ली. दवा ५०० लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें ।
- तना छेदक किट के नियंत्रण के लिए फेरोमेन ट्रेप का उपयोग करे या लाईट ट्रेप द्वारा भी व्यस्कों की संख्या को कम किया जा सकता है ।
- विगत दिनों के दौरान दर्ज वर्षा के कारण वर्तमान में आर्द्रता ९० प्रतिशत के आसपास दर्ज हो रही है जो धान फसल में झुलसा रोग (ब्लास्ट) के लिए अनुकूल है। इस रोग के प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों में आँख के आकार के भूरे धब्बे बनते हैं जो बाद में बढ़ कर पत्तियों को सूखा देती है। प्रकोप आर्थिक क्षति से अधिक होने की स्थिति में खुले मौसम में ट्राइसाइक्लोजोल ६ ग्राम प्रति १० लीटर पानी के दर से अथवा साफ १.५-२.० ग्रा. प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव करें ।
- धान मे सफेद व भूरा माहों के प्रभावी नियंत्रण हेतु पोधों के निचले भाग मे हि छिड़काव/ भुरकाव करे ।
- कंद वाली फसलों जैसे (खरीफ़ आलु, अदरक, हल्दी) आदि मे मिट्टी चड़ाने का कार्य करे ।

- पशु बाड़े मे प्रत्येक पशु के लिए सूखे स्थान एवं साफ जल की व्यवस्था करें ।
- वर्तमान मौसम में गर्मी एवं उमस के कारण मुर्गियों को हीट स्ट्रोक होने कि संभावना बड़ जाती हैं । अत: मुर्गी रखने के स्थान को हवादार रखे । मुर्गी फार्म में पंखे का उपयोग कर उमस को कम कर सकते है ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

दिनांक–२२ सितम्बर २०१७

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **बलरामपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२३ से २७ सितम्बर २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की वर्षा होने की सम्भावना हैं, हालाँकि कुछ स्थानों पर मौसम शुष्क रह सकता हैं ।**
2. बलरामपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८° C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२३ से २४°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९०-९५** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व एवं दक्षिण दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- विगत दिनों हुई हल्की से मध्यम वर्षा को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि धान खेत के मेड़ों को बांधकर रखें तथा आवश्यकता से अधिक पानी को बाहर निकाले ।
- सितम्बर माह में फसलों पर कीट व्याधियों के प्रकोप की संभावना अधिक होती हैं । अत: किसान भाइयों को सुझाव है की फसलों का सतत् निरीक्षण करते रहे ।
- ऊपरी जमीन मे अधिकांश धान की फसल इस समय पुष्पावस्था मे है। इस अवस्था मे इनमे गंधी बग किट के आक्रमण की संभावना रहती है। इस किट से बचाव के लिये फसलों मे क्लोरपाइरिफास धूल का भुरकाव १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से साफ मौसम देखते हुये करे ।
- जीवाणु जनित झुलसा (बहरीपान) रोग के लक्षण दिखने पर यदि पानी उपलब्ध हो, तो खेत का पानी निकाल कर ३-४ दिन तक खुला रखे तथा २० -२५ किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करे ।

- खेत में झुलसा रोग या शीत ब्लाइट देखने पर ट्राइसाइक्लोजोल ५०० मी.ली. दवा ५०० लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें ।
- तना छेदक किट के नियंत्रण के लिए फेरोमेन ट्रेप का उपयोग करे या लाईट ट्रेप द्वारा भी व्यस्कों की संख्या को कम किया जा सकता है ।
- विगत दिनों के दौरान दर्ज वर्षा के कारण वर्तमान में आर्द्रता ९० प्रतिशत के आसपास दर्ज हो रही है जो धान फसल में झुलसा रोग (ब्लास्ट) के लिए अनुकूल है। इस रोग के प्रारंभिक अवस्था में पत्तियों में आँख के आकार के भूरे धब्बे बनते हैं जो बाद में बढ़ कर पत्तियों को सूखा देती है। प्रकोप आर्थिक क्षति से अधिक होने की स्थिति में खुले मौसम में ट्राइसाइक्लोजोल ६ ग्राम प्रति १० लीटर पानी के दर से अथवा साफ १.५-२.० ग्रा. प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव करें ।
- धान मे सफेद व भूरा माहों के प्रभावी नियंत्रण हेतु पोधों के निचले भाग मे हि छिड़काव/ भुरकाव करे ।
- कंद वाली फसलों जैसे (खरीफ़ आलु, अदरक, हल्दी) आदि मे मिट्टी चड़ाने का कार्य करे ।
- पशु बाड़े मे प्रत्येक पशु के लिए सूखे स्थान एवं साफ जल की व्यवस्था करें ।
  वर्तमान मौसम में गर्मी एवं उमस के कारण मुर्गियों को हीट स्ट्रोक होने कि संभावना बड़ जाती हैं । अत: मुर्गी रखने के स्थान को हवादार रखे । मुर्गी फार्म में पंखे का उपयोग कर उमस को कम कर सकते है ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–२२ सितम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला–**जशपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२३ से २७ सितम्बर २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की वर्षा होने की सम्भावना हैं, हालाँकि कुछ स्थानों पर मौसम शुष्क रह सकता हैं ।**
2. जशपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२३ से २४°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९०-९५** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व एवं दक्षिण दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- विगत दिनों हुई हल्की से मध्यम वर्षा को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि धान खेत के मेड़ों को बांधकर रखें तथा आवश्यकता से अधिक पानी को बाहर निकाले ।
- सितम्बर माह में फसलों पर कीट व्याधियों के प्रकोप की संभावना अधिक होती हैं । अत: किसान भाइयों को सुझाव है की फसलों का सतत् निरीक्षण करते रहे ।
- ऊपरी जमीन मे अधिकांश धान की फसल इस समय पुष्पावस्था मे है। इस अवस्था मे इनमे गंधी बग किट के आक्रमण की संभावना रहती है। इस किट से बचाव के लिये फसलों मे क्लोरपाइरिफास धूल का भुरकाव १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से साफ मौसम देखते हुये करे ।
- जीवाणु जनित झुलसा (बहरीपान) रोग के लक्षण दिखने पर यदि पानी उपलब्ध हो, तो खेत का पानी निकाल कर ३-४ दिन तक खुला रखे तथा २० -२५ किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करे ।
- खेत में झुलसा रोग या शीत ब्लाइट देखने पर ट्राइसाइक्लोजोल ५०० मी.ली. दवा ५०० लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें ।
- तना छेदक किट के नियंत्रण के लिए फेरोमेन ट्रेप का उपयोग करे या लाईट ट्रेप द्वारा भी व्यस्कों की संख्या को कम किया जा सकता है ।
- विगत दिनों के दौरान दर्ज वर्षा के कारण वर्तमान में आर्द्रता ९० प्रतिशत के आसपास दर्ज हो रही है जो धान फसल में झुलसा रोग (ब्लास्ट) के लिए अनुकूल है। इस रोग के प्रारंभिक अवस्था में पतियों में आँख के आकार के भूरे धब्बे बनते हैं जो बाद में बढ़ कर पत्तियों को सूखा देती है। प्रकोप आर्थिक क्षति से अधिक होने की स्थिति में खुले मौसम में

ट्राइसाइक्लोजोल ६ ग्राम प्रति १० लीटर पानी के दर से अथवा साफ १.५-२.० ग्रा. प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव करें ।

- धान मे सफेद व भूरा माहों के प्रभावी नियंत्रण हेतु पोधों के निचले भाग मे हि छिड़काव/ भुरकाव करे ।
- कंद वाली फसलों जैसे (खरीफ़ आलु, अदरक, हल्दी) आदि मे मिट्टी चड़ाने का कार्य करे ।
- पशु बाड़े मे प्रत्येक पशु के लिए सूखे स्थान एवं साफ जल की व्यवस्था करें ।
- वर्तमान मौसम में गर्मी एवं उमस के कारण मुर्गियों को हीट स्ट्रोक होने कि संभावना बड़ जाती हैं । अत: मुर्गी रखने के स्थान को हवादार रखे । मुर्गी फार्म में पंखे का उपयोग कर उमस को कम कर सकते है ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–२२ सितम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **कोरिया के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२३ से २७ सितम्बर २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की वर्षा होने की सम्भावना हैं, हालाँकि कुछ स्थानों पर मौसम शुष्क रह सकता हैं ।**
2. कोरिया जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८° C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२३ से २४°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९०-९५** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व एवं दक्षिण दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- विगत दिनों हुई हल्की से मध्यम वर्षा को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि धान खेत के मेड़ों को बांधकर रखें तथा आवश्यकता से अधिक पानी को बाहर निकाले ।
- सितम्बर माह में फसलों पर कीट व्याधियों के प्रकोप की संभावना अधिक होती हैं । अत: किसान भाइयों को सुझाव है की फसलों का सतत् निरीक्षण करते रहे ।
- ऊपरी जमीन मे अधिकांश धान की फसल इस समय पुष्पावस्था मे है। इस अवस्था मे इनमे गंधी बग किट के आक्रमण की संभावना रहती है। इस किट से बचाव के लिये फसलों मे क्लोरपाइरिफास धूल का भुरकाव १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से साफ मौसम देखते हुये करे ।
- जीवाणु जनित झुलसा (बहरीपान) रोग के लक्षण दिखने पर यदि पानी उपलब्ध हो, तो खेत का पानी निकाल कर ३-४ दिन तक खुला रखे तथा २० -२५ किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करे ।
- खेत में झुलसा रोग या शीत ब्लाइट देखने पर ट्राइसाइक्लोजोल ५०० मी.ली. दवा ५०० लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें ।
- तना छेदक किट के नियंत्रण के लिए फेरोमेन ट्रेप का उपयोग करे या लाईट ट्रेप द्वारा भी व्यस्कों की संख्या को कम किया जा सकता है ।
- विगत दिनों के दौरान दर्ज वर्षा के कारण वर्तमान में आर्द्रता ९० प्रतिशत के आसपास दर्ज हो रही है जो धान फसल में झुलसा रोग (ब्लास्ट) के लिए अनुकूल है। इस रोग के प्रारंभिक अवस्था में पतियों में आँख के आकार के भूरे धब्बे बनते हैं जो बाद में बढ़ कर पत्तियों को सूखा देती है। प्रकोप आर्थिक क्षति से अधिक होने की स्थिति में खुले मौसम में

ट्राइसाइक्लोजोल ६ ग्राम प्रति १० लीटर पानी के दर से अथवा साफ १.५-२.० ग्रा. प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव करें ।

- धान मे सफेद व भूरा माहों के प्रभावी नियंत्रण हेतु पोधों के निचले भाग मे हि छिड़काव/ भुरकाव करे ।
- कंद वाली फसलों जैसे (खरीफ़ आलु, अदरक, हल्दी) आदि मे मिट्टी चड़ाने का कार्य करे ।
- पशु बाड़े मे प्रत्येक पशु के लिए सूखे स्थान एवं साफ जल की व्यवस्था करें ।
- वर्तमान मौसम में गर्मी एवं उमस के कारण मुर्गियों को हीट स्ट्रोक होने कि संभावना बड़ जाती हैं । अत: मुर्गी रखने के स्थान को हवादार रखे । मुर्गी फार्म में पंखे का उपयोग कर उमस को कम कर सकते है ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–२२ सितम्बर २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **सूरजपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **२३ से २७ सितम्बर २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की वर्षा होने की सम्भावना हैं, हालाँकि कुछ स्थानों पर मौसम शुष्क रह सकता हैं ।**
2. सूरजपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२७ से २८°** C रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२३ से २४°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९०-९५** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व एवं दक्षिण दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-४** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- विगत दिनों हुई हल्की से मध्यम वर्षा को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह है कि धान खेत के मेड़ों को बांधकर रखें तथा आवश्यकता से अधिक पानी को बाहर निकाले ।
- सितम्बर माह में फसलों पर कीट व्याधियों के प्रकोप की संभावना अधिक होती हैं । अत: किसान भाइयों को सुझाव है की फसलों का सतत् निरीक्षण करते रहे ।
- ऊपरी जमीन मे अधिकांश धान की फसल इस समय पुष्पावस्था मे है। इस अवस्था मे इनमे गंधी बग किट के आक्रमण की संभावना रहती है। इस किट से बचाव के लिये फसलों मे क्लोरपाइरिफास धूल का भुरकाव १० किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से साफ मौसम देखते हुये करे ।
- जीवाणु जनित झुलसा (बहरीपान) रोग के लक्षण दिखने पर यदि पानी उपलब्ध हो, तो खेत का पानी निकाल कर ३-४ दिन तक खुला रखे तथा २० -२५ किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर के दर से भुरकाव करे ।
- खेत में झुलसा रोग या शीत ब्लाइट देखने पर ट्राइसाइक्लोजोल ५०० मी.ली. दवा ५०० लीटर पानी मे मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें ।
- तना छेदक किट के नियंत्रण के लिए फेरोमेन ट्रेप का उपयोग करे या लाईट ट्रेप द्वारा भी व्यस्कों की संख्या को कम किया जा सकता है ।
- विगत दिनों के दौरान दर्ज वर्षा के कारण वर्तमान में आर्द्रता ९० प्रतिशत के आसपास दर्ज हो रही है जो धान फसल में झुलसा रोग (ब्लास्ट) के लिए अनुकूल है। इस रोग के प्रारंभिक अवस्था में पतियों में आँख के आकार के भूरे धब्बे बनते हैं जो बाद में बढ़ कर पत्तियों को सूखा देती है। प्रकोप आर्थिक क्षति से अधिक होने की स्थिति में खुले मौसम में

ट्राइसाइक्लोजोल ६ ग्राम प्रति १० लीटर पानी के दर से अथवा साफ १.५-२.० ग्रा. प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव करें ।

- धान मे सफेद व भूरा माहों के प्रभावी नियंत्रण हेतु पोधों के निचले भाग मे हि छिड़काव/ भुरकाव करे ।
- कंद वाली फसलों जैसे (खरीफ़ आलु, अदरक, हल्दी) आदि मे मिट्टी चड़ाने का कार्य करे ।
- पशु बाड़े मे प्रत्येक पशु के लिए सूखे स्थान एवं साफ जल की व्यवस्था करें ।
- वर्तमान मौसम में गर्मी एवं उमस के कारण मुर्गियों को हीट स्ट्रोक होने कि संभावना बड़ जाती हैं । अत: मुर्गी रखने के स्थान को हवादार रखे । मुर्गी फार्म में पंखे का उपयोग कर उमस को कम कर सकते है ।

नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि मौसम विज्ञान विभाग